**डॉ. धन सिंह रावत**
मंत्री
चिकित्सा स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा
सहकारिता, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा,
विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
कक्ष सं. : 20
फोन : 0135-2666304
फैक्स : 0135-2666308 (का.)

# स्वाधीनता दिवस संदेश

अपार हर्ष का विषय है कि आज हम इस स्वाधीनता दिवस को अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। इस अवसर पर आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में **"आजादी के अमृत महोत्सव"** के साथ **"हर घर तिरंगा"** कार्यक्रम भी धूमधाम के साथ मना रहे हैं। हाल के वर्षों में हमारे राष्ट्र ने विज्ञान, अनुसंधान, कृषि, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में नवीन ऊंचाईयों को प्राप्त किया है। इस पुनीत अवसर पर विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर अभिकर्मियों, शिक्षाधिकारियों एवं प्रदेश के समस्त सम्मानित नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

स्वतंत्रता दिवस की इस पावन बेला पर मैं विद्यालयी शिक्षा में कार्यरत सभी अधिकारियों, प्रधानाचार्यों एवं विद्वान शिक्षकों से अपेक्षा करता हूँ कि आज के दिन छात्रों को देशभक्ति की गाथाओं, शहीदों के बलिदान तथा सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ–साथ राष्ट्र के गौरवशाली अतीत तथा भारतीय संस्कृति के नैतिक विरासत को भी आत्मसात् करायेंगे।

हमारा देश विश्व का विशालतम प्रजातांत्रिक राष्ट्र है, जिसके जिम्मेदार नागरिक होने के कारण इस पावन पर्व पर हमें संकल्प लेना होगा कि स्वतंत्रता के लिए अमर शहीदों के संघर्ष एवं बलिदान की गौरवपूर्ण गाथाओं से प्रेरणा लेकर देश की एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखेंगे। इसके साथ ही सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, ज्ञान–विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र की प्रगति में भी अपना अमूल्य योगदान प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के उन्नयन के प्रति दृढ़ संकल्पित है। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्द्धन हमारा प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का यथासमय सफल क्रियान्वयन किया जाना भी आवश्यक है। शिक्षा की गुणवत्ता को आदर्श स्वरूप प्रदान करने एवं संसाधन विहीन, अपवंचित एवं दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप रणनीति तैयार की जानी हेगी।

क्रमश.....2

विदित हो कि हमारा प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को लागू करने वाला देश का प्रथम राज्य है। इस नीति के क्रियान्वयन के अंतगत प्रथम चरण में बालवाटिका कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जा चुका है तथा अन्य क्षेत्रों में समयबद्ध तरीके से क्रियान्वयन किया जाना है। विभाग द्वारा बच्चों के लिए **"पी0एम0 पोषण योजना"** के अंतर्गत केन्द्रीयकृत रसोई का भी शुभारम्भ किया जा चुका है। छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास में विद्यालयों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। सामुदायिक सहभागिता से शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण अधिगम हेतु अनुकूल वातावरण तैयार किया जाना है।

विगत वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण शिक्षण संस्थाओं को अविरल रूप से संचालित किये जाने में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। अब विद्यालयों को भौतिक रूप से खोले जाने के उपरान्त बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार तथा सीखने के अवरोधों को दूर करने के हर सम्भव उपाय किए जाने होंगे। विद्यालयों में छात्रों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए मास्क, हैण्ड सैनीटाईजर, थर्मल स्कैनिंग आदि का समुचित उपयोग किया जाना जारी रखा जाए। कोविड–19 के फैलाव तथा उससे बचाव के उपायों से समस्त विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को जागरूक किये जाने हेतु प्रयास जारी रखने होंगे। कोविड काल में छात्रों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में हुए ह्रास का आंकलन कर लिया जाए तथा इसके लिए यथासम्भव अतिरिक्त प्रयास किये जाएं तो वह अनुकरणीय होगा। छात्रों को ऑफलाईन एवं ऑनलाईन शिक्षण प्रविधियों की सहायता से अधिकाधिक ज्ञान एवं कौशल प्राप्त करने के अवसर प्रदान किये जायें। समग्र शिक्षा के माध्यम से छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा का अवसर भी प्रदान किया गया है। राज्य में व्यावसायिक शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है।

स्वाधीनता दिवस के इस पावन अवसर पर हम अपने–अपने कार्य एवं दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं मनोयोग से निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण के प्रगति के प्रति कृत संकल्पित हों।

जय हिन्द, जय भारत, जय उत्तराखण्ड।

(डॉ0 धन सिंह रावत)